कीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोरण्डी
(डीडवाना - कुचामन)

43/50

नाम => पूनम बावरी विषय = स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत
कक्षा => 10th दिनांक => 19,09,2024

प्रस्तावना => स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत को ~~1947~~ 1947 को मानक ब्यूरो का संगठन किया गया। सन 1978 को मानक ब्यूरो लागू किया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत को बनाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के लोगों का बहुत ज्यादा योगदान है। 2014 से हमारे देश के नागरिकों को ज्यादा-से-ज्यादा फायदा मिले इसके लिए BIS ने यह प्रक्रिया चालू कि, जिसका नाम मानक ब्यूरो रखा गया।

स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत का बनाने के लिए ~~उपयोग~~ उपाय => हमारा देश के नागरिक स्वस्थ रहे इसके लिए कई कई तरह के उपाय सोचे। जब भारत में कोरोना जैसी महाबीमारी आई तो मानक ब्यूरो के सदस्यों ने कोरोना को सामना करने के लिए अपना योगदान दिया। 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छता अभियान चलया गया। जिससे अगर हमारा देश स्वच्छ है तो हमारे देश में कोई बीमारी नहीं आयेगी। हमारे देश के नागरिक ही गन्दगी फैलायेंगे तो हमारा देश कभी स्वच्छ भारत नहीं बन पायेगा।

1 सितम्बर से लेकर 15 सितम्बर तक स्वच्छ भारत पखवाड़ा चला रहा था। मानक ब्यूरो के ~~लि~~ ने कई साबुन बनाये जिससे ~~कि~~ हम उनका रोजना उनका इस्तेमाल कर सकें जैसे - डिटॉल, लाइबोल आदि साबुन बनाये। ~~प्ला~~ प्लास्टिक की वस्तुओ का उपयोग कम करें।

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत होने के लिए BIS की भूमिका ⇒

अगर हमारा भारत स्वच्छ होगा तो देश के नागरिकों का स्वस्थ होना तय होगा। कोई बीमारी पैदा नहीं होगी। अगर हर नागरिक दाँतुन करे, सडक पर थूके या कोई का रैपर नहीं फेंके। सड़कों की दीवारों पर शौच नाबाद जाये, जिससे पर्यावरण प्रदूषण न हो। पर्यावरण प्रदूषण के लिए मानक ब्यूरो के नागरिकों ने भी कई प्रकार की सुविधाएँ बनाई है।

(i) BIS ⇒ IS - ~~14753~~ 14543, 2014 को लागू किया के तहत मानक ब्यूरो BIS ने पानी का सदुपयोग करना चाहिए इसके लिए IS-14753 लागू किया गया।

(ii) जो हमारे खाने की चीजें, पीने के लिए अगर हम कुछ ले तो उन सभी वस्तुओं पर CM/L नम्बर, ISI मार्क आदि हो तो वह मानक ब्यूरो की कम्पनियों के द्वारा बनाया हुआ होगा। उन सभी वस्तुओं पर यह सभी मार्क नहीं होगा तो वह नकली होगा। मानक ब्यूरो ने चाँदी और सोने को पहचाने के लिए उन पर भी ISI मार्क को भी लगाया हुआ मिला जाए तो वह चाँदी, सोना असली होगा।

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत क्या है ⇒ यह एक अभियान की तरह है जिसमें लोगों को बीमारी न हो, हमारा देश स्वच्छ हो, हमारे आस-पास गन्दगी न हो, ज्यादा से ज्यादा कचरापात्र का प्रयोग, पर्यावरण शुद्ध हो, गाड़ियों का काजल सा मलिन धुआँ प्रदूषण न फैलाए, गाड़ियों से शोर उत्पन्न न यह सब रोक के लिए 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गाँधी ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। यह अभियान महात्मा गाँधी जी ने चलाया था।

⇒ लोग सुविधाओं से वंचित न रहे इसके लिए भारतीय मानक ब्यूरो की सहायता से स्वच्छ भारत को बनाया गया। हमें हमारे आस-पास के स्थानों पर साफ-सफाई रखनी चाहिए। रोज नहाना चाहिए। खाने से पहले हमेशा हाथ धोना चाहिए। खाना खाने के बाद रात को दातुन साफ करने चाहिए। पर्यावरण स्वच्छ रहे इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। जो हमारा घर या अन्य स्थान का कचरा हो उसे गुड़ेदान या कचरा-पात्र के बॉक्स में ही डालना चाहिए। भारत को विकसित भारत बनाने के लिए भी स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का ही एक परिणाम हो हमें हर सप्ताह दो घण्टे सफाई की तरफ ध्यान देना चाहिए। साफ-सफाई से हमारा शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होगा। भारतीय मानक ब्यूरो ने यह मानक कल्ब गतिविधि को इसलिए चलाया क्योंकि बच्चों की जो स्वच्छता की ओर वह ध्यान दे रहे हैं उसे वह व्यक्त कर सके।

इसलिए हमें हमारे भारत को और ज्यादा विकसित भारत या स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत बनाने के लिए दिन-रात स्वच्छता की तरफ ध्यान केन्द्रित करके उसको निभाना भी होगा।

"स्वच्छ भारत स्वस्थ अभियान,
याद रखेगा हिन्दुस्तान"।

"स्वच्छ हो भारत हमारा अपना,
रखो घरों को साफ सुथरा,
फिरसे हो विकसित भारत अपना"।

प्रधानाचार्य
रा.उ.मा.वि. खोरण्डी
(डीडवाना-कुचामन)